हिन्दी पखवाड़ा – 2024
के अवसर पर संदेश

प्रिय साथियों,

अति हर्ष का विषय है कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा दिनांक 14 से 27 सितंबर, 2024 तक राजभाषा हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। विदित है कि हिंदी दिवस प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को देशभर में मनाया जाता है। इस बार हिंदी दिवस कार्यक्रम की शुरुआत माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी की अध्यक्षता में भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन से की जाएगी।

साथियों, जैसा कि सभी को सूचित किया गया है कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष एक वार्षिक कार्यक्रम जारी किया जाता है जिसमें उल्लिखित राजभाषा से संबंधित दिशा–निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करना अपेक्षित है। इसके साथ ही राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत जारी किए जाने वाले समस्त दस्तावेजों को अनिवार्य रूप से द्विभाषी अर्थात हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों भाषाओं में जारी करें। जारी करते समय ध्यान रखें कि हिंदी ऊपर तथा अंग्रेजी उसके नीचे लिखी जाए। कार्यालय आदेश, सामान्य आदेश, परिपत्र, विज्ञप्तियां, संविदा, निविदा, अनुज्ञप्तियां, विज्ञापन, प्रेस विज्ञप्ति, पृष्ठांकन, ज्ञापन, प्रशासनिक या अन्य रिपोर्ट इसके अंतर्गत सम्मिलित हैं। राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधानों, राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा नियम 1976 तथा राजभाषा संकल्प 1968 सहित राजभाषा विभाग द्वारा समय–समय पर जारी दिशा–निर्देशों का अनुपालन करना भी हम सब का उत्तरदायित्व है। संस्थान के सभी अधिकारी और कार्मिक राजभाषा विभाग की वेबसाइट **www.rajbhasha.gov.in** पर जाकर "हिंदी शब्द सिंधु", "ई–सरल हिंदी वाक्यकोष", "लीला", "कंठस्थ" जैसे आईटी टूल्स का भरपूर लाभ उठाएं। संस्थान द्वारा प्रशिक्षण कार्यशालाओं के माध्यम से राजभाषा टूल्स पर प्रदान की गई अभ्यासपरक जानकारी का अपने कार्यालयीन कार्यों में निरंतर प्रयोग करते रहें।

वन अनुसंधान संस्थान भाषाई क्षेत्र "क" के अंतर्गत आता है, अतः अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में करना है। राजभाषा नियमानुसार हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर अनिवार्य रूप से हिंदी में ही देना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों का उत्तर भी ज्यादा से ज्यादा हिंदी में ही दिए जाएं। मूल रूप से जारी सभी पत्र अनिवार्य रूप से हिंदी/द्विभाषी में ही हो। इसके साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी अधिकारी और कार्मिक हिंदी में ही टिप्पणियां लिखें।

प्रिय साथियों, संस्थान में हिंदी पखवाड़े के दौरान अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम को सफल बनाने तथा हिंदी पखवाड़े की आवश्यकता को समझते हुए सभी अधिकारी और कार्मिक इन प्रतियोगिताओं में बढ़–चढ़कर प्रतिभाग करें। आप सभी को हिंदी पखवाड़े की अनेकों शुभकामनाएं।

12/9/24

डॉ. रेनू सिंह, भा.व.से.
निदेशक
वन अनुसंधान संस्थान

हिन्दी हमारी पहचान है, यही हमारी शान है।